आरती नंद किशोर जी की

आरती कीजै सुन्दर बर की।

नन्दकिशोर जसोदानन्दन,
नागर नवल ताप तम हरकी ।

वनविलास मृदु हास मनोहर,
श्रवन सुधा सुख मोहन करकी ।

बिहारीदास लोचन चकोर,
नितअंसजुप्रियालाल भुजधर की।

विवरण

जो नंद जी के कुमार हैं एवं मइया जसोदा के नन्दन हैं ऐसे सुन्दर वर की हम आरती करते हैं । सारे अन्धकार का हरण करके आप ब्रज नगरी को नया बना देने वाले हैं एवं आपका वन में आनन्द के साथ हास-परिहास करना ग्वाल-बालों के साथ आपकी ये छवि बड़ा ही मनोहर होता है ।

आपके हाथों में जो वंशी बजाने की कला है उस वंशी की आवाज कानों में अमृत स्मी रस घोलती है । नित्य इन राधा के प्रिय एवं भुजधर नंदकिशोर की आरती करते समय बिहारीदास के आँखों में नीर भर जाते हैं । ऐसे नंदकिशोर जी की आरती है ।

visit www.astrogyan.com for more aarthi's, free indian astrology horoscope charts & predictions.
all information © since 2000, Aks Infotech Pvt. Ltd., portal designed & developed by Pintograph Pvt. Ltd.